पूर्व एशिया शिखर सम्मेलन (ई एम एस)

समाचार में क्यों : भारत क उप राष्ट्रपति ने अपने कम्बोडिया दौरे के दौरान पूर्व एशिया शिखर सम्मेलन को सम्बोधित किया।

मुख्य बातें :

- **इंडो पेसिफिक क्षेत्र के मुद्दे :** भारत के उप राष्ट्रपति ने ई ए एस तंत्र की भूमिका पर बल दिया क्योंकि ई ए एस स्वतंत्र, मुक्त एवं समावेशी इंडो पेसिफिक क्षेत्र को प्रोत्साहित व संवर्धित करने में अहम भूमिका निभा सकता है।
- **चीन का आक्रामक रूख :** संयुक्त राज्य अमेरिका, भारत तथा विश्व की अन्य कुछ शक्तियाँ इस क्षेत्र में चीन के बढ़ते सैन्य प्रयासों को देखते हुए एक स्वतंत्र, मुक्त व विकसित होते हुए इंडो पेसिफिक क्षेत्र की आवश्यकता पर विशेष बल दे रहे हैं।

मुद्दे : चीन ने विवादित दक्षिण चीन सागर के लगभग संपूर्ण क्षेत्र पर अपना दावा ठोक दिया है हालांकि ताइवान, फिलिपिंस, ब्रुनेई, मलेशिया और वियतनाम भी इसके कुछ–कुछ हिस्सों पर अपना दावा पेश करते हैं।

- बीजिंग ने दक्षिण चीन सागर में कृत्रिम द्वीप तथा सैन्य अधिष्ठान स्थापित कर लिये हैं।
- पूर्व चीन सागर में जापान के साथ चीन का भूक्षेत्रीय विवाद है।
- **अन्य समूहों व राष्ट्रों द्वारा विरोध :** क्वाड, जिसके सदस्य देश भारत, आस्ट्रेलिया, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका हैं, ने किसी भी ऐसी एकपक्षीय कार्रवाई के प्रति अपना गहरा प्रतिरोध जताया है जिससे इंडो पेसिफिक क्षेत्र की यथास्थिति में कोई परिवर्तन आये या वहाँ तनाव में वृद्धि हो।
- उप राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में खाद्य एवं ऊर्जा प्रक्षेत्र से सम्बंधित बढ़ती वैश्विक चिंता की बात की।
- उन्होंने पूर्व एशिया शिखर सम्मेलन के सदस्य देशों से 'अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष' इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स में योगदान करने का आग्रह किया।

अन्य मुख्य बिंदु :

- **ता प्रोहम मंदिर मे निर्मित 'हॉल ऑफ डांसर्स' :** उप राष्ट्रपति ने ता प्रोहम मंदिर में 'हॉल ऑफ डांसर्स' के संरक्षण कार्य के पूर्ण हो जाने पर उसका उद्घाटन किया है।
  मूल रूप से यह मंदिर एक बौद्ध मठ के रूप में बनाया गया था। जयवर्मन टप् ने इसका निर्माण अपनी माता के लिए कराया था।
- **भारत–कंबोडिया सहकार्यता परियोजना :** 'हॉल ऑफ डांसर्स' का पुनर्निमाण कार्य वस्तुतः कंबोडिया में सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण व पुनर्निर्माण हेतु भारत व कंबोडिया के 4 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के सहकार्यात्मक परियोजना का अंग है।
  प्राचीन एवं शांत बौद्ध मठ 'ता प्रोहम' के पुनर्निर्माण कार्य को भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण (ए एस आई) द्वारा पूरा किया गया है।
- **अंगकोर हेरिटेज पार्क :** अंगकोर हेरिटेज पार्क में अंगकोर वाट मंदिर जैसा विश्व प्रसिद्ध स्थापत्य कला का नमूना स्थित है जिसे यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया है। यह मंदिर विश्व के 10 मानव निर्मित आश्चर्यों में शामिल है।

पूर्व एशिया शिखर सम्मेलन के विषय में :

- ई ए एस इंडो पेसिफिक क्षेत्र का एक प्रमुख मंच है जिस पर रणनीतिक चर्चा की जा सकती है। यह एकमात्र 'लीडर लेड फोरम' है जहाँ इंडो पेसिफिक क्षेत्र के सभी प्रमुख साझेदार देश क्षेत्र की राजनैतिक, आर्थिक एवं सुरक्षा सम्बंधी चुनौतियों पर चर्चा करते हैं।
  इस मंच का नेतृत्व आसियान द्वारा किया जाता है और वार्षिक आधार पर आसियान के सदस्य देशों को इसकी अध्यक्षता प्रदान की जाती है।
- **उत्पत्ति :** वर्ष 2005 में, 10 आसियान देशों तथा इसके 6 साझेदार देशों के बीच पूर्व एशिया शिखर सम्मेलन शुरू किया गया।
- **सहभागी देश :** आसियान देश (म्यांमार, थाई लैंड, कंबोडिया, लाओस, वियतनाम, मलेशिया, इंडोनेशिया, ब्रुनेई, सिंगापुर, फिलीपींस) के साथ–साथ आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, जापान, दक्षिण कोरिया, भारत एवं चीन इसके सदस्य हैं।